मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा दिवस पर 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के तहत 21,000 लाभार्थियों को टूलकिट दिए

75 हजार शिल्पियों को स्वावलंबी बनाएंगे : योगी

घोषणा

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले तीन महीने में प्रदेश के 75 हजार कारीगरों और शिल्पियों को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य तय किया है। इन तीन माह में 75 हजार शिल्पियों को प्रशिक्षित कर इन्हें विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से जोड़ते हुए स्वावलंबी बनाया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव पर शिल्पियों और करीगरों के लिए यह सबसे बड़ा तोहफा होगा।

11 हजार को पीएम मुद्रा योजना में ऋण वितरण

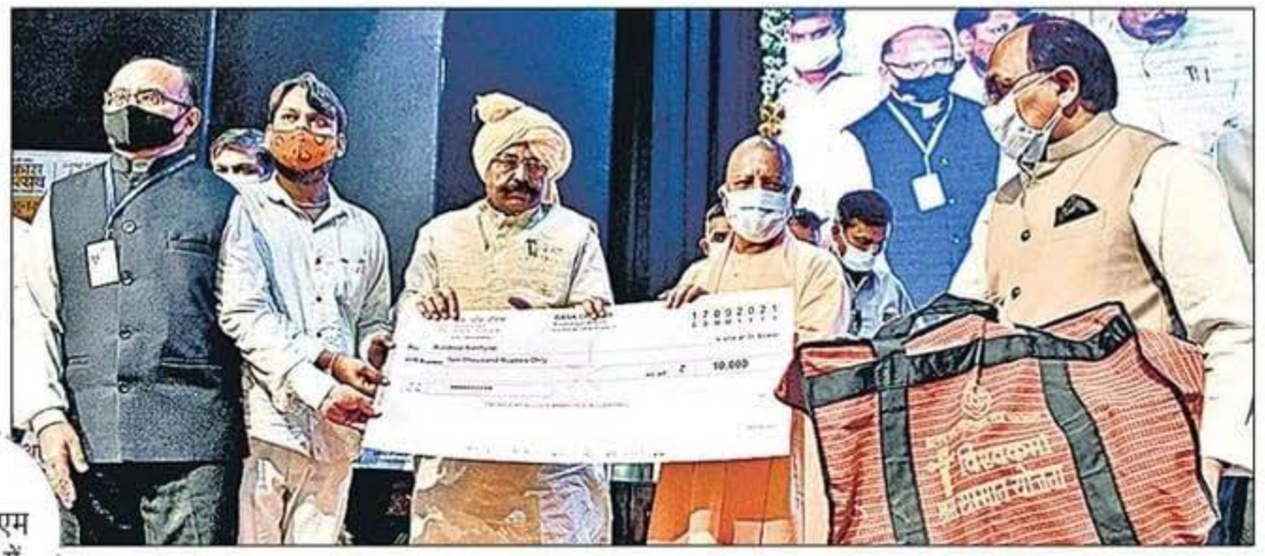

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के तहत 21,000 लाभार्थियों को टूलकिट और 11 हजार लाभार्थियों को 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजनांतर्गत ऋण वितरण किया।

मुख्यमंत्री ने ये बातें विश्वकर्मा दिवस के मौके पर शुक्रवार को 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के तहत 21,000 लाभार्थियों को टूलकिट और 11 हजार लाभार्थियों को 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजनांतर्गत ऋण वितरण करते हुए कहीं। लोकभवन में आयोजित मुख्य समारोह के साथ-साथ जिला मुख्यालयों पर भी कार्यक्रम हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 दिसम्बर 2018 को हमने 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' का शुभारंभ किया, तब से परंपरागत हस्तशिल्पियों, कारीगरों को सम्मान देने, उनको स्वावलंबी बनाने और आत्मनिर्भर बनाने का सिलसिला चलता आ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में हर व्यक्ति चिंता में था कि प्रदेश का क्या होगा लेकिन हमारे पारंपरिक करीगरों, हस्तशिल्पियों ने मिलकर ऐसा तंत्र विकसित किया, जिससे हर प्रवासी को शासन की योजनाओं से जुड़ने और प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने का काम किया। सीएम ने कहा कि बहनें और माताएं यदि ठान लें तो उत्तर प्रदेश को रेडीमेड गारमेंट का हब बनाने में देरी नहीं लगेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव के मोची, नाई, बढ़ई को मंच मिलना चाहिए। उन्हें उच्च प्रशिक्षण देकर तकनीकी से जोड़ना है। ट्रेनिंग के दौरान भत्ता देते हुए मजबूत बनाना है।

आयोध्या में इस बार हम साढ़े 7 लाख दिए जलाने जा रहे : मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में अयोध्या में दीपोत्सव के लिए 51 हजार दीप जुटाने के लिए हमें पूरे प्रदेश की खाक छाननी पड़ी थी। इस वर्ष हम साढ़े सात लाख दिए जलाने जा रहे हैं। हमने तकनीक से करीगरों को जोड़ा तभी यह संभव हो पाया है। हमारे कारीगर लक्ष्मी गणेश की मूर्ति बनाना छोड़ दिया था। चीन जैसे नास्तिक देश मूर्तियां बनाने लगा। पिछली सरकारों ने चिंता नहीं की। आज हमारे कारीगर मूर्तियां बना रहे हैं। चीन से अच्छी, सुंदर, सस्ती और टिकाऊ।

राहत कार्य तेज चलाएं पीड़ित को दें राहत:सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर आहूत एक बैठक में प्रदेश में अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने राहत कार्य पूरी सक्रियता से चलाने और प्रभावितों को तत्परतापूर्वक मदद एवं राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि जहां कहीं भी जल भराव हुआ है, उन क्षेत्रों में तत्काल जल निकासी की व्यवस्था की जाए। नगरीय निकायों द्वारा पूरी क्षमता के साथ जल निकासी के प्रबंध किए जाएं।

मंदिर निर्माण से संतों की आत्मा को शांति मिली

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ श्रीराम मंदिर आंदोलन की नींव के पत्थर हैं। भव्य मंदिर निर्माण का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रशस्त हुआ तब दोनों संतों की आत्मा को अपार शांति मिली होगी।
मुख्यमंत्री योगी युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ की 52वीं एवं महंत अवेद्यनाथ की 7वीं पुण्यतिथि पर 'साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह' को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश बन रहा आत्मनिर्भर: सिद्धार्थनाथ सिंह

एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के आर्थिक मॉडल ने प्रदेश को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने का काम किया है। बहुत कम लोगों को इसकी समझ है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसको प्रदेश में पूरा करने का काम किया है। ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना ने प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का काम किया है। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्यमंत्री की अभिनव सोच को आगे बढ़ाने का भरोसा दिया।

दिव्यांगों के प्रति नजरिया संवेदनापूर्ण हो

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन में दिव्यांगजन के प्रति विशेष लगाव और सहानुभूति है। दिव्यांग शब्द भी प्रधानमंत्री की देन है। दिव्यांगजन के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लगाव को ध्यान में रखते हुए उनके 71वें जन्मदिन के अवसर पर आज से लेकर सात अक्तूबर तक सेवा सत्कार का 20 दिवसीय सेवा समर्पण कार्यक्रम प्रारम्भ हो रहा है। इसका शुभारम्भ इस संस्था से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा दिव्यांगजन के प्रति हमारा दृष्टिकोण अत्यन्त संवेदनापूर्ण होना चाहिए।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को लखनऊ में राजकीय बालक एवं बालिका विशेषीकृत गृह स्थित निर्वाण पुनर्वास केन्द्र में मानसिक मंदित एवं दिव्यांग बच्चों को उपहार भेंट करने के बाद विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने दिव्यांग बच्चों के पास जाकर उन्हें उपहार स्वरूप फल की टोकरी व बैग प्रदान किए तथा उनसे उनका कुशलक्षेम भी पूछा।

इस अवसर पर नगर विकास मंत्री आशुतोष टण्डन, महिला एवं बाल विकास मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वाती सिंह, महापौर संयुक्ता भाटिया, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास वी0 हेकाली झिमोमी, सूचना निदेशक शिशिर उपस्थित रहे।

लखनऊ समेत चार शहरों में बनेंगे इंटीग्रेटेड सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्था यहां पर एक इंटीग्रेटेड सेन्टर खोलना चाहती है। प्रदेश सरकार पूर्व में ही पांच ऐसे सेन्टर खोलने का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि लखनऊ, अयोध्या, काशी, गोरखपुर में इंटीग्रेटेड सेन्टर प्रस्तावित हैं। वृन्दावन में यह पहले से ही बनकर तैयार है और संचालित है। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया कि इंटीग्रेटेड सेण्टर के विस्तार के लिए तत्काल धनराशि उपलब्ध कराई जाए।